Lecture - 91.

Foreign Policy of Gladstone

- Mamta Rani
Guest Asstt. Prof.
SNSRKS College, Saharsa
Depart of History.
BA Part - 2
Paper - 3rd.

बजाय वह यह चाहता था Wednesday 19
कि अपने शासित प्रदेशों को स्वशासन का अधिकार प्रदान किया जाए। इस विदेश नीति में वह शानदार अलहदगी (Splendid Isolation) के सिद्धांत को मान्यता प्रदान करता था। उसके इस दखल नहीं देने की नीति के कारण इंग्लैंड की भूरोपीय देशों में सम्मान और समृद्धि कुछ हद तक बढ़ गई।

Thursday 20
ग्लैडस्टोन की विदेश नीति के बारे में इतिहासकार मैरियट का यह कहना है कि ग्लैडस्टोन की विदेश नीति अत्यंत दुर्बल थी तथा उसका प्रबंध भी अत्यंत निराशाजनक था। निम्नलिखित उदाहरणों से यह स्पष्ट रूप से सिद्ध हो जाता है कि उसकी विदेश नीति अत्यंत दुर्बल थी।

नहीं की। ग्लैडस्टोन की इस

सुस्त और उत्साहविहीन विदेश नीति के कारण उसने इंग्लैंड की जनता की सहानुभूति को खो दिया।

(iii) बल्गेरिया के कत्ल और ग्लैडस्टोन :-

ग्लैडस्टोन हमेशा ही विपत्ति में पड़े हुए राष्ट्रों की मदद करने को इच्छुक रहता था। इसने उसने टर्की के अत्याचारों से त्रस्त बल्गेरिया की मदद की। 1878

ई० में होने वाले डिजराइली बर्लिन समझौते का उसने विरोध किया क्योंकि वह उसके सिद्धांतों के विरुद्ध था।

(iv) ग्लैडस्टोन और मिश्र :-

ग्लैडस्टोन को मिश्र के मामले में भी हस्तक्षेप करना पड़ा जब अरबी पाशा ने विद्रोह कर अनेक यूरोपीयन को मौत के घाट

26 Wednesday 239-127 Week-35

उतार दिया। इस समय मिस्र इंग्लैंड और फ्रांस दोनों के संयुक्त नियंत्रण में था। फ्रांस ने मिस्र के मामले में कोई हस्तक्षेप नहीं किया फलस्वरूप ग्लैडस्टोन को न चाहते हुए भी मिस्र के विद्रोह को दबाना पड़ा।

निष्कर्ष :- उपर्युक्त उदाहरणों को

27 Thursday 240-126 Week-35

देखते हुए कहा जा सकता है कि ग्लैडस्टोन की विदेश नीति अत्यंत ही दुर्बल थी फलस्वरूप उसकी विदेश नीति को हर मोर्चे पर असफलता झेलनी पड़ी।

21 Friday 234-132 Week-34

(i) प्रशिया, इटली और ग्लैडस्टोन :-

ग्लैडस्टोन की शुरु से ही यह नीति रही कि इंग्लैंड को किसी युरोपीय युद्ध में शामिल नहीं होना चाहिए और वह किसी विदेशी मामले में दखल देने से बचता था जिसके फलस्वरूप इटली और प्रशिया में हुए समझौते के कारण ~~इटली~~ वह वहाँ की राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल होने से बचता

22 Saturday 235-131 Week-34

रहा। फलस्वरूप यूरोप में जर्मनी एक महाशक्ति के रूप में उभर गया।

(ii) टर्की का प्रश्न, ग्लैडस्टोन और रूस :-

1870 ई० में फ्रांस और प्रशिया के युद्ध से लाभ उठा कर रूस ने पेरिस की

23 Sunday

संधि तोड़ कर अपने जहाजों को स्ट्रेट्स ऑफ डार्डेनलस और वास्फोरस तक पहुँचा दिया फिर भी इंग्लैंड ने रूस के खिलाफ कोई कार्यवाही

17 Monday 230-136 Week-34

Q:- ग्लैडस्टोन की विदेश नीति का वर्णन करें !

ANS :- ग्लैडस्टोन के द्वारा अपनी आंतरिक नीति के कारण जहाँ उसने सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक सुधार कर एक महत्वपूर्ण कार्य किया वहीं उसकी विदेश नीति पूर्णतया: विफल रही। एक शांतिवादी मंत्री के रूप में

18 Tuesday 231-135 Week-34

उसका नाम गौरव से लिया जाता है। ग्लैडस्टोन साम्राज्यवादी प्रकृति का नहीं था यही कारण है कि उसको लिटिल इंग्लैंडर के नाम से जाना जाता है। वह इस बात का पक्षधर था कि विदेशों के साथ हर कीमत पर सहयोग रखा जाए। नए प्रदेशों को जीतने के